nandgaon times march-20-2.qxd 3/19/2026 11:57 PM Page 1

asianpaints
सभी रेंज किफायती दाम में उपलब्ध
अधिकृत विक्रेता
अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

विश्व में प्रसिद्ध हनुमान चालीसा... पृष्ठ 2 | ईडी ने की दुर्ग क्षेत्र के बालोद... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

NIPPON PAINT
एशिया पैसिफिक का नंबर 1 पेंट*
अधिकृत विक्रेता
अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

शुक्रवार, 20 मार्च 2026, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 50, अंक 155, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

सरहुल उत्सव जनजातीय संस्कृति की विशिष्ट धरोहर, इसे संजोकर रखना हम सबकी जिम्मेदारी - मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जशपुर के दीपू बगीचा में आयोजित पारंपरिक सरहुल महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने धरती माता, सूर्य देव एवं साल वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा और समृद्ध फसल की कामना की। सरहुल की पारंपरिक रस्म के तहत पूजा कराने वाले बैगा द्वारा मुख्यमंत्री के कान में सरई (साल) फूल खोंचकर शुभ आशीष प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने जिलेवासियों को सरहुल उत्सव एवं हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरहुल महोत्सव सदियों से प्रकृति, धरती और जीवन के संतुलन का प्रतीक रहा है। बैगा, पाहन एवं पुजारी द्वारा की जाने वाली पूजा-अर्चना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामूहिक जीवन मूल्यों की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि यह पर्व जनजातीय समाज की समृद्ध सभ्यता और संस्कृति का जीवंत प्रतीक है, जिसे सहेजकर रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता से किए गए वादों को तेजी से पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि जारी किए जा चुके हैं, जिससे महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। वहीं 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में प्रस्तुत धर्म स्वातंत्र्य विधेयक भी सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करेगा।

उल्लेखनीय है कि सरहुल पर्व चैत्र माह में मनाया जाने वाला उरांव समुदाय का प्रमुख पर्व है, जो प्रकृति के नवजीवन और ऋतु परिवर्तन का प्रतीक है। इस पर्व में धरती माता और सूर्य देव के प्रतीकात्मक विवाह के साथ सामूहिक पूजा की जाती है। सरना स्थल पर पारंपरिक विधि से पूजा-अर्चना, प्रसाद वितरण और लोकनृत्य-गीतों के माध्यम से सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ किया जाता है। घर-घर सरई फूल और पवित्र जल का वितरण कर सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में सजी 100 से अधिक महिलाओं एवं युवतियों की टोली ने मनमोहक सरहुल नृत्य प्रस्तुत किया। मांदर की गूंजती थाप और उत्साह से भरे वातावरण ने पूरे परिसर को जनजातीय संस्कृति के रंग में रंग दिया, जहां जनसैलाब उमड़ पड़ा और उत्सव का उल्लास चरम पर रहा। इस अवसर पर अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सत्येंद्र सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री श्री योगेश बापट, विधायक श्रीमती गोमती साय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

जिला स्तरीय विनोबा मॉर्निंग असेंबली में चयनित पूनम जोशी का कलेक्टर ने किया सम्मान

जिला स्तरीय विनोबा मॉर्निंग असेंबली में पूनम जोशी

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय प्राथमिक शाला मनेरी विकासखंड डोंगरगांव जिला राजनांदगांव का चयन हुआ दिनांक 18 मार्च को जिला पंचायत की सभागार में जितेंद्र यादव कलेक्टर राजनंदगांव के द्वारा पूनम जोशी सम्मान किया गया श्रीमती जोशी के द्वारा निरंतर बच्चों के साथ विद्यालय में विनोबा एप के मॉर्निंग असेंबली फीचर का उपयोग करके प्रार्थना समाचार थॉट ऑफ द डे चुटकुले तथा अन्य विभिन्न प्रकार की गतिविधियां निरंतर बच्चों को सिखाई और इन गतिविधियों में छोटे-छोटे बच्चों का वीडियो बनाकर के विनोबा एप में अपलोड की इस गतिविधियों के माध्यम से बच्चे का आत्मविश्वास के साथ बोलना सीखना खेल गतिविधि बच्चों का सामने आकर के बोलना आत्मविश्वास बढ़ाना और बच्चों को अन्य गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया और विनोबा एप के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किया सभागार में उपस्थित प्रवास बघेल डी ई ओ राजनांदगांव और जयंत साहू बी ई ओ डोंगरगांव इस उपलब्धि के लिए बधाई शुभकामनाएं दी है।

नौकरी के नाम पर बंधक बनाकर ठगी, कार्रवाई न होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। धर्मनगरी और आसपास के क्षेत्रों में सरकारी कारी नौकरी लगाने के नाम पर ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला खैरागढ़ निवासी अग्रवाल परिवार से जुड़ा है। जिसमें प्रार्थी ने बेलगांव निवासी एक युवक पर बंधक बनाने और हजारों रुपये ऐंठने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के एक सप्ताह बाद भी एफआईआर दर्ज न होने से परेशान परिजन अब जिला पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के पास जाने की तैयारी कर रहे हैं। प्रार्थी विनायक शैलेश अग्रवाल ने थाना प्रभारी संतोष जायसवाल को सौंपे शिकायती आवेदन में बताया कि बेलगांव निवासी नवीन गोस्वामी ने उसे नौकरी का झांसा दिया और 22 फरवरी को अपने साथ रायपुर के तेलीबांधा ले गया। वहां डरा धमकाकर पहले 3500 रुपये हड़प लिए। जब विनायक ने काम के बारे में पूछताछ की, तो उसे भरोसा रखने की बात कहकर टाल दिया गया। बाद में नवीन और उसके साथियों ने विनायक को डराकर घर जाने से रोक दिया और बंधक बना लिया। अब एसपी से न्याय की गुहार आरोप है कि नवीन ने विनायक को धमकी दी कि यदि उसने तुरंत 8500 रुपये लाइसेंस बनवाने के लिए नहीं दिए, तो नौकरी किसी और को मिल जाएगी। विनायक ने डर के मारे घर फोन कर ऑनलाइन पैसे मंगवाए और नवीन को दिए। पैसे मिलने के बाद नवीन ने विनायक का फोन छीन लिया और उसे घर पर सच बताने से रोकने लगा। विनायक ने किसी तरह छुपकर अपने परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद उसके पिता ने रायपुर में कार्यरत देवेश सोलंकी से संपर्क किया। देवेश ने मौके पर पहुंचकर विनायक को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया और सुरक्षित वापस लाया। प्रार्थी के परिजनों का कहना है कि उन्होंने सारे साक्ष्य पुलिस को सौंप दिए हैं, लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है। एसडीओपी कार्यालय से भी उचित प्रतिक्रिया न मिलने पर अब परिजन राजनांदगांव एसपी से मिलकर दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग करेंगे।

मगरलोटा में जल जीवन मिशन से आई खुशहाली

पाइपलाइन विस्तार से घर-घर पहुंचा स्वच्छ पेयजल, जल जीवन मिशन योजना से महिलाओं को मिली राहत

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। विकासखंड राजनांदगांव के ग्राम पंचायत मगरलोटा में जल प्रबंधन एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। शासन की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से अब ग्राम के प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है। योजना के लागू होने से पहले ग्राम की महिलाएं पेयजल के लिए हैंडपंपों एवं दूर-दराज के जल स्रोतों पर निर्भर थीं। विशेषकर गर्मी के दिनों में पानी की समस्या और अधिक बढ़ जाती थी। जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन विस्तार एवं घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जाने के बाद अब ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को पेयजल की व्यवस्था हेतु कठिन परिश्रम से मुक्ति मिली है। ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सक्रिय सहयोग से गांव के स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं अन्य सार्वजनिक भवनों में भी नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। स्वच्छ पेयजल मिलने से जलजनित बीमारियों में कमी आई है। साथ ही गांव की महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से पानी की गुणवत्ता जांचने का प्रशिक्षण भी दिया गया है, जिससे वे स्वयं जल की शुद्धता सुनिश्चित कर रही हैं। ग्राम पंचायत मगरलोटा के सरपंच एवं जल समिति के सदस्यों ने बताया कि जल जीवन मिशन ने केवल पाइपलाइन ही नहीं बिछाई, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाया है। अब घरों तक नल से पानी पहुंचने के कारण समय की बचत हो रही है, जिसका उपयोग महिलाएं आयमूलक गतिविधियों में कर रही हैं। ग्राम में सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से योजना का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही अपशिष्ट जल प्रबंधन के तहत नलों से निकलने वाले अतिरिक्त पानी के निपटान के लिए सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया गया है।

घने जंगल पहाड़ी पाठ बाबा मंदिर जोरातराई मनगटा मे 473 ज्योति कलश प्रज्वलित हुईं

26 मार्च को हवन यज्ञ पूजन और पूर्णाहुति होगी,विसर्जन 27 को किया जाएगा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिले से लगभग 20 किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच स्थित ग्राम जोरातराई, मनगटा जंगल (स्टेशन मुड़ीपार) का प्रसिद्ध पहाड़ी पाठ बाबा मंदिर इन दिनों चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। प्राकृतिक वातावरण से घिरे इस देवस्थल में हर वर्ष की तरह इस बार भी भक्ति और श्रद्धा का विशेष माहौल देखने को मिल रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत 19 मार्च को ज्योति कलश स्थापना के साथ हुई। आगामी धार्मिक अनुष्ठानों के तहत 23 मार्च, सोमवार को पंचमी माता सिंगार, 26 मार्च को अष्टमी हवन एवं दोपहर 4 बजे पूर्णाहुति तथा 27 मार्च, शुक्रवार को सुबह 9 बजे जवारा विसर्जन किया जाएगा। नौ दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में क्षेत्र सहित दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर माता की आराधना में लीन रहेंगे। पहाड़ी पाठ बाबा धाम में स्थापित बाबा महाकाल की भव्य प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र है। प्रतिमा के शीश से बहती जलधारा की मधुर ध्वनि और आसपास का शांत, प्राकृतिक वातावरण श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। मान्यता है कि इस स्थल पर घने जंगल में मुंडी पेड़ के नीचे भगवान भोलेनाथ स्वयंभू रूप में प्रकट हुए थे, जिसके कारण यहां भक्तों की आस्था निरंतर बढ़ती जा रही है। इस वर्ष मंदिर समिति द्वारा पूरे परिसर को भव्य रूप से सजाया गया है। मंदिर प्रांगण में माता मंदिर सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं, जहां भक्तजन दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं व्यक्त कर रहे हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मनोकामना दीप प्रज्वलित कर सुख-समृद्धि की कामना की है। पहाड़ी पाठ देव स्थल उत्थान समिति के पुजारी संतोष कुमार शर्मा एवं समिति अध्यक्ष व जोरातराई पूर्व सरपंच संतोष कुमार साहू ने बताया कि इस वर्ष कुल 473 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। इनमें 106 घी के ज्योति कलश प्रज्वलित और 367 तेल के ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए । ज्योति कलश प्रज्वलित कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष संतोष कुमार साहू, उपाध्यक्ष नरसिंह साहू, सचिव सुदामा लाल साहू, कोषाध्यक्ष रामलाल साहू, सहसचिव पुरुषोत्तम कुमार साहू, संरक्षक सुरेंद्र शर्मा, संरक्षक शिवलाल चक्रधारी, संरक्षक डॉ. जी. एस. राजपूत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

झीटिया से बांकल के बीच पड़ने वाले पुल में दोनों तरफ रेलिंग नहीं

तुमड़ीबोड़ (नांदगांव टाइम्स)। समीपस्थ पड़ने वाले ग्राम झीटिया से बांकल के बीच पड़ने वाले पुल में दोनों तरफलोहे की रेलिंग नहीं होने से कभी भी गंभीर दुर्घटना घट सकती है, आने जाने वाले राहगीरों साइकिल, मोटर साइकिल सवारों, चार पहिया वाहन चालकों को इस पुल के ऊपर से होकर गुजरना खतरे से खाली नहीं है, पुल के किनारे छोर का मटेरियल टूट कर नीचे गिर रहा है, ग्रामीणों सहित इस मार्ग में चलने वाले लोगों ने इस पुल में दोनों तरफलोहे की रेलिंग लगाने की मांग की है ताकि कोई घटना होने से पूर्व इसकी मरम्मत हो जाए, इस गांव के सड़क मार्ग की हालत खराब स्थिति में है, मार्ग ऊबड़ खाबड़ और धूल भरे रास्ते होने के कारण सभी लोगों को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, लोगों ने इस खराब रोड़ को मजबूत बनाने की मांग की है।

छुईखदान की स्वयंभू काली माता : 400 साल पुरानी आस्था, नवरात्रि में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (नांदगांव टाइम्स)। जिले के छुईखदान नगर में स्थित प्राचीन काली मंदिर आज भी श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। लगभग 350 से 400 वर्ष पुराना यह मंदिर अपने अद्भुत इतिहास और चमत्कारी मान्यताओं के कारण दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। नवरात्रि के अवसर पर यहां भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है और पूरे नगर में भक्ति का विशेष माहौल बन जाता है।

तालाब की खुदाई में प्रकट हुई काली माता

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना किसी मानव द्वारा नहीं बल्कि स्वयं हुई मानी जाती है। बताया जाता है कि कई वर्ष पूर्व जब यहां तालाब की खुदाई की जा रही थी, तब काली माता की प्रतिमा भूमि के भीतर से प्रकट हुई। इस घटना को चमत्कार मानते हुए नगरवासियों ने उसी स्थान के पास एक पेड़ के नीचे माता की स्थापना कर दी। धीरे-धीरे यह स्थान मंदिर के रूप में विकसित हो गया और आज यह नगर का प्रमुख धार्मिक स्थल बन चुका है।

स्वयंभू स्वरूप की मान्यता

मंदिर से जुड़ी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां स्थापित काली माता को स्वयंभू माना जाता है, अर्थात उनकी उत्पत्ति किसी कारीगर द्वारा नहीं की गई बल्कि वे स्वयं प्रकट हुई हैं। इस कारण भक्तों की आस्था और भी अधिक गहरी हो जाती है और लोग अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए यहां दूर-दूर से आते हैं।

नवरात्रि में विशेष पूजा-अर्चना

नवरात्रि के दौरान मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। श्रद्धालु माता को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार की ज्योतियां स्थापित करते हैं। जानकारी के अनुसार, इस नवरात्रि में 509 तेल

ज्योति कलश स्थापित हुए हैं, जबकि 47 घी के दीपक भी प्रज्वलित किए गए हैं। इसके अलावा 83 शीतला तेल की ज्योतियां भी विशेष रूप से अर्पित की गई हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और भक्त इसे अत्यंत श्रद्धा के साथ निभाते हैं।

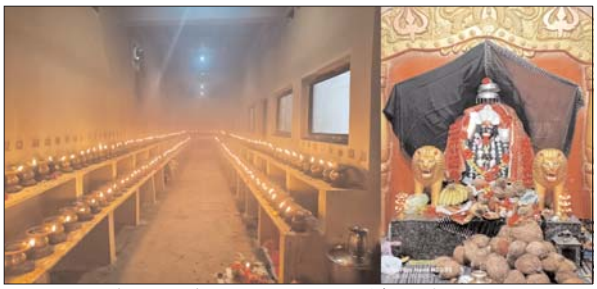

नवरात्रि के नौ दिनों में मंदिर परिसर में भक्ति संगीत, जागरण और पूजा-पाठ का आयोजन होता है। नगरवासियों का मानना है कि सच्चे मन से मां काली की आराधना करने पर हर मनोकामना पूर्ण होती है। यहां आने वाले श्रद्धालु अपने जीवन की कठिनाइयों से मुक्ति और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

प्रशासन की तैयारियां और सुरक्षा व्यवस्था

नवरात्रि के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन भी सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर सतर्क रहता है। मंदिर परिसर में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जाते हैं, ताकि सभी भक्त शांतिपूर्वक दर्शन कर सकें। छुईखदान नगर का यह काली मंदिर न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान भी बन चुका है। सैकड़ों वर्षों पुरानी यह आस्था आज भी उतनी ही मजबूत है और हर वर्ष नवरात्रि में इसका भव्य स्वरूप देखने को मिलता है।

आडम्बर से दूर रहेंगे,कुरीति छोड़ेंगे तभी समाज विकसित व अनुशासित हो पाएगा

अर्जुनी में भक्त माता कर्मा जयंती पर निकाली गई कलश यात्रा,महाआरती की गई

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। अर्जुनी-विगत दिनों ग्राम अर्जुनी में पापमोचनी एकादशी के पावन उपलक्ष्य में भक्त माता कर्मा जयंती समारोह का वृहद आयोजन पूरे उत्साह से हुआ ।बारगाही के जगराता परिवार सरोजनी साहू,राकेश साहू,लविंद्र साव ने शोभा कलश यात्रा की लंबी श्रृंखला में सहयोग दे रहे नन्ही बालिकाओं व बहनों माता का साहस इस भीषण गर्मी में भक्तिमय सुमधुर गीतों के संग वातावरण को खुशनुमा बनाते हुए बहुल्य स्वजातीय बंधुओ की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम का आगाज़ करने में सहयोग प्रदान किए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किरण वैष्णव जिला पंचायत अध्यक्ष राजनांदगांव,अध्यक्षता किरण साहू उपाध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव ने किए,अतिथि गणों के क्रम में शिवराम साहू तहसील अध्यक्ष डोंगरगांव,पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू,तहसील संरक्षक हेमंत साहू,कोमल साहू तहसील संगठन सचिव,चुनेश्वर साहू परिक्षेत्र अध्यक्ष,हुकुम चन्द्र जैन समाजसेवी,रेशम साहू जनपद सदस्य,ललिता साहू सरपंच अर्जुनी,मोहित साहू प्रकोष्ठ संयोजक उपस्थित थे।मुख्य अतिथि किरण साहू ने एकता अखंडता के प्रतीक समाजिक ध्वज को आरोहित किए,और सामूहिक मंगल महाआरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।कार्यक्रम का सफलता पूर्वक विधिवत संचालन कर रहे सचिव साहू समाज अर्जुनी लविंद्र साव ने अतिथियों के सम्मान उपरांत स्वागत भाषण ग्राम अध्यक्ष भैया लाल साहू को आमंत्रित कर उद्बोधन कार्यक्रम को गति प्रदान किए,कार्यक्रम को मुख्य अतिथि किरण वैष्णव,जिला पंचायत उपाध्यक्ष किरण साहू और पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू,हेमंत साहू,हुकुमचंद जैन ने क्रमशः मां कर्मा के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक कुरूतियो पर करारा प्रहार करते हुए यह कहा कि

आडंबर या दुर्गुण से लिप्त व्यक्ति समाज को दिशा नहीं दे सकते,सामाजिक नियमावली का पालन कर समाज को विकसित और संगठित करने के लिए सबको मिलकर रहने की प्रेरणा दिए।कार्यक्रम का संचालन साहू समाज सचिव लविंद्र साव व आभार ज्ञापन संरक्षक चेतन दास साहू ने किए।कार्यक्रम में विशेष सहयोग सलाहकार दिनेश साहू,मोहनीश साहू,देवेंद्र साहू,शिवकुमार साहू,यशवंत साहू सेवक साहू की रही। पदाधिकारी के रूप में अलखराम साहू,द्रौपति साहू,तुलसा साहू,जीवन दास,बेमलाल,मनसुख, तारम,जीनू,गजेन्द्र,मोहित,पीतांबर, गजेन्द्र साहू,टेसू साहू,हिरदु साहू,खेमलाल साहू मंगलुसाहु साहू के सहयोग के साथ साथ परिक्षेत्र सचिव हिरदे राम साहू,खगेश साहू,महेश कुमार साहू,चुम्मन लाल,तालसिंग,भुवन साहू सहित ग्राम अर्जुनी के समस्त स्वजातीय बंधुओ की उपस्थिति रही है।

पार्री कला मे पशु बाँझपन शिविर आयोजित

राजनांदगाव (नांदगांव टाइम्स)। पशुपालन विभाग मुख्य ग्राम योजना द्वारा पशुओं में बढ़ती बांझपन की समस्या के समाधान हेतु आज दिनांक 17/3/2026 को ग्राम ,पारीकला विकासखंड ट्ट राजनंदगांव में बांझपन निवारण एवं प्रजनन जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पशु चिकित्सकों द्वारा गाय एवं भैंसों की प्रजनन संबंधी जांच, उपचार तथा आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान पशुपालकों को डॉ प्रतिभा भोसले द्वारा पशुओं में बांझपन के प्रमुख कारणों

जैसे पोषण की कमी, प्रजनन अंगों के संक्रमण, समय पर हीट का पता न चलना तथा पशु प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही बताया कि पशुपालक यदि पशुओं को संतुलित आहार, खनिज मिश्रण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच कराते हैं तो बांझपन की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। शिविर में कुल ट्ट15 पशुओं की जांच की गई तथा ट्ट45 पशुओं का उपचार किया गया। साथ ही पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान, हीट पहचान तथा उचित देखभाल के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष माननीय श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर जी एवं सरपंच पारीकला श्रीमती कामिनी जी अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री पप्पू चंद्राकर जी डॉ प्रतिभा भोसले श्री रमेश मांडवी श्री महेश साहू श्री सुनील संखवार श्री सी एल मेश्राम एवं श्री गौतम राम देवांगन सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी सहित विभागीय कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मोबाइल वेटरनरी यूनिट की डॉक्टर प्रियंका साहू एवं डॉ सौरभ साहू भी उपस्थित रहे । पशुपालन विभाग ने सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं में प्रजनन संबंधी समस्या होने पर नजदीकी पशु चिकित्सालय में संपर्क करें तथा विभाग द्वारा आयोजित शिविरों का लाभ उठाए।

खुज्जी विधानसभा में ग्रामीण सड़कों के निर्माण को मिलेगी नई रफ्तार, विधायक भोलाराम साहू की पहल रंग लाई

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों के विकास को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। क्षेत्र के माननीय विधायक भोलाराम साहू ने विधानसभा में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत जादूटोला से दैहान (लंबाई 2 कि.मी.) तथा मांझीटोला से गर्रापार (लंबाई 2 कि.मी.) तक सड़क निर्माण के संबंध में प्रश्न उठाया। इस पर माननीय उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने सकारात्मक जवाब देते हुए संबंधित विभाग से प्राक्कलन (एस्टिमेट) मंगाने और शीघ्र ही कार्यादेश जारी करने का आश्वासन दिया है। विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से स्कूली बच्चों और मरीजों को इसका सीधा लाभ मिलेगा, जिससे वे समय पर स्कूल और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सकेंगे। इससे शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शासन स्तर पर शीघ्र कार्रवाई कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। यह पहल खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी।

शुभांक

6-7-8

589-2 177-5

भाग्यांक

127-0 138-2

कार्यालय ग्राम पंचायत मुसराकला

जनपद पंचायत डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

साप्ताहिक बाजार नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मुसराकला का साप्ताहिक बाजार की नीलामी वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक रहेगा। नीलामी दिनांक 31.03.2026. दिन -मंगलवार, समय- प्रातः 11 बजे, स्थान - ग्राम पंचायत भवन मुसराकला में रखा गया है। इच्छुक बोलीकर्ता नीलामी में भाग ले सकते हैं। अमानत राशि 10000.00 (दस हजार रु.) जमा करना पड़ेगा, 50 प्रतिशत राशि तत्काल जमा होगा एवं 3 अग्रीम चेक जमा करना होगा।

टीप- नीलामी से संबंधित नियम व शर्ते कार्यालय के सूचना पटल पर कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है एवं नियम में परिवर्तन का विशेष अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा।

सरपंच
ग्राम पंचायत मुसराकला
जनपद पंचायत डोंगरगढ़

सचिव
ग्राम पंचायत मुसराकला
जनपद पंचायत डोंगरगढ़

मधुमक्खी पालन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड के सहयोग से च्मधुमक्खी पालन पर सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रमज्ज् का शुभारंभ 18 मार्च 2026 को किया गया। यह प्रशिक्षण 18 से 24 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में कबीरधाम जिले के विभिन्न ग्रामों पोलमी, बोड़ला, कुकदुर, भंगीटोला एवं लखनपुर से कुल 28 प्रशिक्षणार्थी को सात दिनों तक कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम डॉ. वी.के. त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान सेवाएं एवं डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेशक विस्तार सेवाएं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निर्देशन तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी.पी. त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद सदस्य शिवकुमार धुर्वे एवं डॉ. बी.पी. त्रिपाठी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने प्रशिक्षण की रूपरेखा बताते हुए कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों के लिए अतिरिक्त आय का एक सशक्त माध्यम है तथा कबीरधाम जिले में इसके विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। जनपद सदस्य शिवकुमार धुर्वे ने अपने उद्बोधन में किसानों को मधुमक्खी पालन अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए इसे स्वरोजगार का प्रभावी साधन बताया। कार्यक्रम के सह-समन्वयक डॉ. सी.पी. रहांगडाले ने मधुमक्खी पालन की मूलभूत जानकारी, प्रबंधन एवं आवश्यक तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी। प्रथम दिवस के तकनीकी सत्र में डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने मधुमक्खियों के प्रकार, उनकी उपयोगिता तथा जिले में मधुमक्खी पालन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. सी.पी. रहांगडाले ने वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन की जानकारी दी, वहीं डॉ. एन.सी. बंजारा ने उद्यानिकी फसलों के साथ मधुमक्खी पालन के समन्वय के लाभों को समझाया। इस अवसर पर केवीके के वैज्ञानिक डॉ. बी.एस. परिहार, इंजीनियर टी.एस. सोनवानी एवं योगेश कुमार कौशिक भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को व्याख्यान, प्रायोगिक अभ्यास एवं प्रक्षेत्र भ्रमण के माध्यम से मधुमक्खी पालन की संपूर्ण जानकारी दी जाएगी, ताकि वे इस तकनीक को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

जिले में शिशु संरक्षण माह का हुआ शुभारंभ, बच्चों को मिलेगा पोषण सुरक्षा का लाभ

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। जिले में शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण

को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कवर्धा में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी. के. तुरे द्वारा बच्चों को विटामिन ए सिरप पिलाकर किया गया। यह अभियान 21 अप्रैल 2026 तक निर्धारित तिथियों में जिलेभर के स्वास्थ्य एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित होगा। अभियान के तहत जिले में 93,273 बच्चों को विटामिन ए तथा 98,759 बच्चों को आयरन सिरप (आई.एफए.) पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डॉ. तुरे ने बताया कि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में कुपोषण जनित बीमारियों को कम करने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को वर्ष में दो बार विटामिन ए अनुपूरण एवं 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आयरन सिरप प्रदान किया जाएगा। शिशु संरक्षण माह के दौरान विभिन्न सत्रों में बच्चों को विटामिन ए एवं आयरन सिरप देने के साथ-साथ नियमित टीकाकरण, वजन मापन, गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान तथा उन्हें पोषण पुनर्वास केन्द्रों में उपचार एवं आहार उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी खैरागढ़ जिला खैरागढ, छुईखदान, गडई (छ.ग)

ईश्तहार

रा मा क्र बी-121 वर्ष 20 -20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक अगरचंद साहू आत्मज समय लाल साहू निवासी ग्राम झीकादाह, प.ह.न .... तहसील खैरागढ़, जिला खैरागढ-छुईखदान-गंडई छ.ग। अन्य भतीजा रत्नेश साहू आत्मज भूखन साहू की मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग की गई है। उपरोक्त आवेदन पत्र इस न्यायालय में मृत्यु दिनांक 12/07/2025 को स्थान झीकादाह पर होना बताया जाकर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रकरण विचारधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/ आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि 30/03/2026 लिखित में स्वयं/अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार दिनांक 12/03/26 को मेरे हत्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 12/03/2026
सुनवाई दिनांक 30/03/26

सील | **कार्यपालिक दंडाधिकारी खैरागढ़**

न्यायालय नजूल अधिकारी जिला खैरागढ़-छुईखदान - गण्डई (छ0ग0)

// उद्घोषण//

रा.प्र.क्र. 202603291500003 शीर्ष- अ-6/2025-26
क्रमांक /1568/ वा. नजूल / 2026
खैरागढ़, दिनांक 16/03/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती किर्तीबाई कंडरा पति दिनेश कंडरा निवासी धरमपुरा, वार्ड क्रमांक-11 खैरागढ़, जिला-के0सी0जी0 द्वारा नगर खैरागढ़ मोहल्ला-लालपुर ब्लॉक नं-05 में स्थित भूखण्ड कमांक-85 क्षेत्रफल 950 वर्गफूट भू-धारिका श्रीमती हिरौंदी बाई पिता घनाराम के नाम पर दर्ज है। भू-धारिका श्रीमती हिरौंदी बाई पिता घनाराम की मृत्यु दिनांक 13.12.2020 को हो जाने के कारण उनका नाम विलोपित कर उनके स्थान पर आवेदक / वैधवारिसान के नाम पर दर्ज किए जाने संबधी नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्तानुसार वादभूमि संबंधी अभिलेख पर नामांतरण किये जाने में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपना आपत्ति / आक्षेप ईश्तहार प्रकाशन तिथि के 07 दिनों के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16.03.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील | **नजूल अधिकारी खैरागढ़ छुईखदान-गण्डई**

न्यायालय नजूल अधिकारी जिला खैरागढ़-छुईखदान - गण्डई (छ0ग0)

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र.-202603291500006 शीर्ष-अ-6 वर्ष 2025-26
क्रमांक/1645/ वा. नजूल / 2026
खैरागढ़, दिनांक 18/03/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सनत सिंह परिहार आ0 स्व0 नारायण सिंह परिहार एवं अन्य 03 द्वारा नगर खैरागढ़ मोहल्ला-सिविल लाईन ब्लॉक नं-01 में स्थित भूखण्ड क्रमांक-78/1 शामिल 79,80/106 रकबा 3600 क्षेत्रफल सह-भूधारका नितेश सिंह परिहार पिता सनत परिहार के संयुक्त नाम पर दर्ज है। सह-भूधारका नितेश सिंह परिहार पिता सनत परिहार की मृत्यु दिनांक 27.07.2018 को हो जाने के कारण उनका नाम विलोपित कर उनके स्थान पर आवेदक / वैधवारिसान के नाम पर दर्ज किए जाने संबंधी नामांरतण आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्तानुसार वादभूमि संबंधी अभिलेख पर नामांतरण किये जाने में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपना आपत्ति / आक्षेप ईश्तहार प्रकाशन तिथि के 07 दिनों के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16-03-26. को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील | **नजूल अधिकारी खैरागढ़ छुईखदान-गण्डई**

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव, जिला राजनांदगांव, छ.ग.

//ईश्तहार //

क्रं./449/अविअ/प्रवा.-3/2026
राजनांदगांव, दिनांक 05/03/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक स्वरूपचंद चोपड़ा एच.यू.एफ पिता गुमानमल चोपडा, निवासी सदर बाजार, राजनांदगांव, तहसील व जिला राजनांदगांव, द्वारा निज स्वामित्व की भूमि ग्राम कौरिनभाता, पटवारी हल्का नंबर 38. खसरा नंबर 210/1 रकबा 0.0680 हेक्टेयर में से 0.0440 हेक्टेयर के आवासीय प्रयोजन हेतु पुनर्कर निर्धारण का आवेदन मय, खसरा बी-1. नक्शा, ऋण पुस्तिका की प्रति, पंजीकृत बैनामा इत्यादि के साथ प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त कृषि भिन्न प्रयोजन के, पुनर्कर निर्धारण बाबत जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा / आपत्ति इस युद्घोषणा प्रकाशन दिनांक से स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि 20/03/2026 तक न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 05/03/2086 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

सील | **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) राजनांदगांव**

nandgaon times march-20-2.qxd 3/19/2026 11:58 PM Page 3

ज्ञान मंथन

1) कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड डी. देवराज उर्स को पीछे छोड़कर किसने बनाया?
2) रौलाने उत्सव मुख्य रूप से किस राज्य में मनाया जाता है?
3) किस राज्य सरकार ने हाथियों की निगरानी और मानव-हाथी संघर्ष रोकने के लिए गज रक्षक ऐप लॉन्च किया है?
4) किस राज्य ने पहला नॉर्थईस्ट इंडिया ऑर्गेनिक वीक आयोजित किया था?
5) भारतीय सेना की पहली महिला पायलट कौन बनी जिन्हें रुद्र सशस्त्र हेलीकॉप्टर उड़ाने की योग्यता मिली?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) सिद्धारमैया (2) हिमाचल प्रदेश (3) मध्य प्रदेश (4) मेघालय (5) हंसजा शर्मा

4 लाख के चोरी का हुआ खुलासा, आरोपियो के कब्जे से 100 प्रतिशत आभुषण बरामद

तीन पुरूष आरोपी सहित एक महिला आरोपिया हुआ गिरफ्तार, सभी आरोपी जेल गए

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। प्रार्थी प्रवीण कुमार सिंह निवासी राजीव नगर डोंगरगांव द्वारा थाना डोंगरगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि, किसी अज्ञात चोर के द्वारा प्रार्थी के घर में प्रवेश कर आलमारी एवं लॉकर का ताला तोड़कर लॉकर में रखे दो नग सोने के कंगन, 1 नग सोने का मंगलसूत्र, 1 नग सोने की ईयरिंग को चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना डोंगरगांव में अपराध क्रमांक 61/2026 धारा 305(ए), 331(1),317, 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना प्रभारी डोंगरगांव प्रशिक्षु आई.पी.एस. आदित्य कुमार एवं निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर ने बताया है कि पुलिस टीम गठित कर अज्ञात चोर की पतासाजी शुरू की गई। पतासाजी के दौरान घटना स्थल का निरीक्षण, आसपास के लोगो से पूछताछ तथा आस-पास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरो के फुटेजों का अवलोकन किया गया। इसके आलावा प्रकरण में संम्भावित पुराने आरोपियों की गतिविधियों पर निगाह रखी गई।

संदेह के आधार पर थाना डोंगरगांव पुलिस टीम को घटना में सलिप्त आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होने पर थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा आरोपी- नमीत निर्मलकर उर्फ सन्नी राहुल कुमार मालेकर दोनो निवासी वार्ड नं. 1 किल्लापारा डोंगरगांव ,को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर चोरी की घटना स्वीकार किये एवं चोरी किये गये आभूषणों को तुलीका रायकर एवं आशिष रायकर दोनो निवासी वार्ड नं. 06 चिखली राजनांदगांव को बेचने हेतु दे दिया गया था। आरोपी नमीत निर्मलकर उर्फसन्नी से नगदी रकम 10,000/- रूपये को जप्त किया गया है एवं बाकी पैसो को खाने-पीने, जुआ खेलने में खर्च कर करना बताये एवं आरोपी राहुल कुमार मालेकर के कब्जे से चोरी के रकम से खरीदे स्कुटी एक्टीवा क्रमांक सीजी 28 एम 7613 एवं प्रार्थी के घर के चाबी को जप्त किया गया है। इसी प्रकार आरोपिया तुलीका रायकर पति आशिष रायकर, उम्र 32 साल, के कब्जे से सोने की मंगलसूत्र एवं आरोपी आशिष रायकर पिता स्व0 राजकुमार रायकर, से सोने का दो नग सोने के कंगन, कान का ईयरिंग को जप्त किया गया है। उक्त सभी आरोपियो को गिरफ्तार कर थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से चोरी गए संपूर्ण जेवरात बरामद कर जप्त कर प्रकरण में 100 प्रतिशत चोरी किये गये आभूषण बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपी: नमीत निर्मलकर उर्फ सन्नी पिता रेवाराम निर्मलकर उम्र 25 साल किल्लापारावार्ड नं. हनुमान मंदिर के पीछे डोंगरगांव , राहुल कुमार मालेकर पिता बलीराम मालेकर उम्र 29 साल वार्ड नं. 01 किल्लापारा डोंगरगांव , तुलीका रायकर पिता आशिष रायकर उम्र 32 साल वार्ड नं. 06 चिखली राज. आशिष रायकर पिता स्व0 राजकुमार रायकर, उम्र 35 साल, दोनो निवासी वार्ड नं. 06 चिखली राजनांदगांव , को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। कार्यवाही में प्रशिक्षु आई.पी.एस.आदित्य कुमार, निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, इनके अलावा प्रधान आरक्षक सुरेश सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक संदीप देशमुख, आरक्षक ओंकार कुर्रे, आरक्षक चन्द्रप्रकाश हरमुख, महिला आरक्षक ,अभिलाषा सिंह ठाकुर की सराहनीय भूमिका रही।

चैत्र नवरात्रि व गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव ने पूजा अर्चना की

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। सनातन संस्कृति के गौरवशाली पर्व हिंदू नववर्ष प्रतिपदा, चैत्र नवरात्रि व गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर पर

राजनांदगांव महापौर मधुसूदन यादव ने अपने निज निवास पर सपरिवार पूजा अर्चना की एवं घर पर माता रानी की अखंड ज्योति प्रज्वलित कर सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए प्रार्थना की।

प्रतिष्ठित व्यक्ति राम्हु साहू (96 वर्ष) के निधन पर श्रद्धा सुमन अर्पित

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। वार्ड क्रमांक 20 पेंड्री निवासी राम्हू साहू (96 वर्ष) प्रतिष्ठित समाजसेवी का निधन आज दिनांक 19.03.2026 को हो गया है। जिनकी शव यात्रा में समाज, सर्व समाज एवं वार्ड के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में भजन कीर्तन बाजा के साथ मुक्तिधाम में शामिल हुए। वार्ड के प्रमुख छत्तीसगढ़ मुक्तिमोर्चा के उपाध्यक्ष मेघदास वैष्णव, वार्ड विकास समिति के अध्यक्ष ईसाक खान, वार्ड पार्षद कुलेश्वर ध्रुव, साहू समाज के प्रमुख दुर्गा राम साहू, यादव समाज के जनमेजय यादव, चैतराम साहू, घसिया सिन्हा, गणेश सुपले, तुलेन्द्र देवदास, लक्षण मानिकपुरी, बिसेसर निषाद अनिल कौशक, बेलस राम ठाकुर, तालुक देवदास, नरेश विश्वकर्मा, काशी मैथिलक्षत्री, डा. दिनेश विश्वास, सोमनाथ साहू, आशीष झा, नारायण साहू, प्रहलाद ठाकुर आदि बड़ी संख्या में शामिल होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

आज गौरैया दिवस: भीषण गर्मी में इंसानियत की मिसाल: प्यासे परिंदों के लिए चकोरा अभियान की शुरुआत

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। तेज धूप और झुलसाती गर्मी के बीच जब इंसान तक पानी के लिए परेशान हो उठता है, तब नन्हे पक्षियों की हालत कितनी कठिन होती होगी—इसी संवेदनशील सोच के साथ डोंगरगांव में एक सराहनीय पहल की गई है। पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए विभिन्न शासकीय कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर च्चकोराज्ज् (पानी के बर्तन) रखे जा रहे हैं, ताकि कोई भी परिंदा प्यासा न रहे। इस पुनीत कार्य की शुरुआत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय से की गई, जहां से अभियान का शुभारंभ हुआ। इसके बाद तहसील कार्यालय, थाना परिसर, विश्राम गृह, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय तथा मोंगरा कॉलोनी स्थित जल संसाधन विभाग और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , कृषि उपज मंडी, वन विभाग,में भी चकोरा रखे जाएंगे। इस संवेदनशील पहल में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीकांत कोराम, तहसीलदार कमल किशोर साहू, वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम साव एवं पर्यावरण प्रेमी व जल प्रहरी भोज साहू की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने मिलकर यह संदेश दिया कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति हमारी जिम्मेदारी सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे व्यवहार में भी उतारना जरूरी है। अभियान के दौरान यह भाव स्पष्ट रूप से झलक रहा था कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ी राहत बन सकते हैं। एक कटोरी पानी किसी पक्षी के लिए जीवनदान साबित हो सकती है। इस पहल ने न सिर्फ लोगों का ध्यान पर्यावरण संरक्षण की ओर खींचा, बल्कि यह भी सिखाया कि करुणा और संवेदनशीलता ही असली मानवता है। अब उम्मीद की जा रही है कि डोंगरगांव के आम नागरिक भी इस मुहिम से जुड़ेंगे और अपने घरों, छतों और आसपास के स्थानों पर पानी रखकर इन बेजुबान जीवों की प्यास बुझाने में योगदान दिया जा रहा है।

डोंगरगांव के ग्राम सांगिनकछार में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। राष्ट्रीय गोकुल मिशन अंतर्गत कलेक्टर महोदय राजनांदगांव एवं उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं के निर्देशानुसार पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. अजय शर्मा के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में विकासखंड डोंगरगांव के पशु चिकित्सालय तुमड़ीबोड के अंतर्गत आने वाले पशु औषधालय तेन्दुनाला के ग्राम खम्हेरा में बाँझपन उपचार एवं नि:शुक्ल पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन कर पशुओं का गर्भ परीक्षण एवं कृत्रिम गर्भाधान किया गया। खुरहा चपका जैसी गंभीर बीमारी से पशुओं के बचाव हेतु एफएम डी टीके का नि:शुल्क टीकाकरण किया गया। पशु उपचार के साथ साथ कृमिनाशक दवाई का वितरण किया गया। पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य, बाँझपन, नस्ल सुधार, पोषण, स्वच्छता, टीकाकरण एवं रोग-निवारण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। शिविर में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई डोंगरगांव के डॉ समीर कुमार देवांगन भी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि मनोहर वर्मा, उपसरपंच ठाकुरराम वर्मा, दिनेश्वर वर्मा, कीर्तन चंद्रवंशी ग्राम के वरिष्ठ जीवराखन साहू, दिलीप सिन्हा, मिलऊ यादव, तुलाराम यादव, बिसनाथ यादव, लालचंद यादव व ग्राम के अन्य पशुपालकगण एवं पशु चिकित्सा विभाग के श्री के. के. चंद्रवंशी, श्री गंभीर साहू तथा मिनेश कुमार, गनपत साहू, टिकेश्वर साहू, खोलबाहरा यदु उपस्थित रहे।

गाजे-बाजे के साथ नगर में तिरंगा यात्रा, नागरिकों में भरा देशभक्ति का उत्साह

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। हिंदू नव वर्ष के पावन अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं शनि देव धाम मंदिर समिति, रानी सागर के संयुक्त तत्वाधान में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। शहरभर के विद्यार्थी, युवा और नागरिक इसमें शामिल होकर देशभक्ति की भावना से लबरेज़ हो उठे। यात्रा की शुरुआत शनि देव धाम मंदिर प्रांगण से हुई, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया गया। सैकड़ों की संख्या में नागरिक, विद्यार्थी और युवा हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से नगर को गूंज उठाया। यात्रा में आकर्षक झांकियों ने भारतीय संस्कृति, परंपरा और वीरता की झलक पेश की। छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य और पारंपरिक वेशभूषा में सज्ज कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मार्ग में डीजे, बैंड और धूमल की धुनों ने माहौल को और उत्साहपूर्ण बना दिया। नगर के नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में शामिल सभी के लिए स्वादिष्ट प्रसाद और जलपान की भी व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदू नव वर्ष हमारी संस्कृति और सनातन परंपरा का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव की भावना मजबूत होती है। जिला संयोजक धनंजय पांडे ने कहा कि तिरंगा यात्रा समाज में एकता और अखंडता का संदेश देती है। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी में संस्कार एवं देशभक्ति की भावना जागृत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। यात्रा ने न केवल नगर को देशभक्ति की अनुभूति से भर दिया, बल्कि यह सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का भी अद्भुत उदाहरण बनकर उभरी।

मां बम्लेश्वरी मंदिर मेले में 350 दुकानों का किया गया आवंटन. पालिकाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। नवरात्रि के अवसर पर मां बम्लेश्वरी मंदिर मेला ग्राउंड में नगर पालिका द्वारा मीना बाजार समेत लगने वाली दुकानों का निर्माण और आवंटन कर दिया गया है। मेला में खाद्य पदार्थ, कपड़े, घरेलू सामान और अन्य सामग्री की दुकानों की व्यवस्था की गई है। नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे ने मेला स्थल का निरीक्षण किया और दुकानों की साफ-सफाई, पानी और बिजली की पर्याप्त व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश कर्मचारियों को दिए। उनका कहना था कि मेला में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर पालिका से मिली जानकारी के अनुसार, मेला भर के लिए 350 दुकानों का आवंटन किया गया है, जिनमें से 150 से अधिक दुकाने फुटपाथ में लगाई जाएंगी। इन दुकानों में लाइट की व्यवस्था भी की गई है। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष के साथ पार्षद हरीश मोटघाघरे, सुमित ताम्रकार, शिवांगी साखरे, नगर पालिका के विजय कोटांगले और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

धर्म समाचार....

भगवान झूलेलाल आस्था, संस्कृति और एकता के अमर प्रतीक

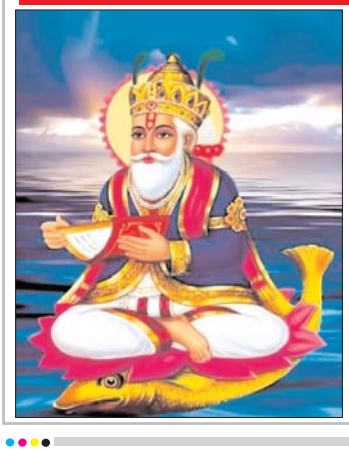

सिंधी समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर में भगवान झूलेलाल का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण और श्रद्धेय है। वे केवल एक देवता नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की आस्था, पहचान और एकता के प्रतीक हैं। उन्हें जल के देवता वरुण देव का अवतार माना जाता है। झूलेलाल ने अपने दिव्य अवतार से न केवल अत्याचार का अंत किया, बल्कि मानवता को प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश भी दिया। प्राचीन सिंध प्रदेश में मीरख शाह नामक शासक के अत्याचारों से हिंदू समाज अत्यंत पीड़ित था। जब उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य किया जाने लगा, तब निराश और भयभीत लोगों ने सिंधु नदी (दरिया) के तट पर एकत्र होकर ईश्वर से रक्षा की प्रार्थना की। उनकी अटूट श्रद्धा और विश्वास से प्रसन्न होकर भगवान ने झूलेलाल के रूप में अवतार लिया। यह अवतरण केवल एक चमत्कार नहीं बल्कि अन्याय के विरुद्ध धर्म और सत्य की विजय का प्रतीक था। भगवान झूलेलाल का जन्म नसरपुर (सिंध) में माता देवकी और पिता रतनचंद लोहानो के घर चैत्र शुक्ल द्वितीया को हुआ जिसे आज चेटीचंड के रूप में मनाया जाता है। उनका बाल्यकाल का नाम उदयचंद था लेकिन पालने में झूलने की उनकी अद्भुत लीला के कारण वे झूलेलाल कहलाए। बचपन से ही उनके भीतर दिव्य शक्तियों के संकेत दिखाई देने लगे थे कहा जाता है कि उनके मुख में सिंधु नदी की धारा दिखाई देती थी। झूलेलाल ने अपने चमत्कारों से मीरख शाह को सत्य का मार्ग दिखाया और उसके अत्याचारों का अंत किया। उन्होंने यह अमूल्य संदेश दिया ईश्वर एक है और सभी धर्म उसी तक पहुँचने के अलग-अलग मार्ग हैं। उनकी यही शिक्षा उन्हें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के बीच पूजनीय बनाती है। उन्हें उडेरोलाल, लाल सांई और जिन्दपीर जैसे नामों से भी जाना जाता है। भगवान झूलेलाल को अक्सर पल्ला मछली पर विराजमान या कमल के फूल पर बैठे हुए दर्शाया जाता है। यह स्वरूप जल, जीवन और सृष्टि के संतुलन का प्रतीक है।

राजा मखीजा
राजनांदगांव छत्तीसगढ़

चेटीचंड सिंधी समाज का सबसे प्रमुख पर्व है जो भगवान झूलेलाल के अवतरण दिवस और नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इस दिन पूरे समाज में हर्षोल्लास, भक्ति, शोभायात्राएं, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। भगवान झूलेलाल की पूजा में बहराणा साहिब का विशेष महत्व है। यह एक सुसज्जित थाल होता है जिसे भगवान का साक्षात स्वरूप माना जाता है। इसमें शामिल होते हैं कलश (कुंभ) जल से भरा पात्र जीवन और वरुण देव का प्रतीक, ज्योति (दीपक): अंधकार पर प्रकाश की विजय, मिश्री और अखो: समृद्धि और पवित्रता के प्रतीक। पूजा के अंत में इसे नदी या समुद्र में विसर्जित किया जाता है जो जल और प्रकृति के प्रति सम्मान को दर्शाता है। झूलेलाल की भक्ति केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामूहिक होती है। बहराणा साहिब के साथ जुलूस निकाले जाते हैं छेज नृत्य किया जाता है और झूलेलाल! झूलेलाल! के जयकारे पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देते हैं। ? जय दुलह देवा आरती के माध्यम से भक्त अपने भाव प्रकट करते हैं। यह आरती न केवल भक्ति का माध्यम है बल्कि आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भगवान झूलेलाल का जीवन हमें सिखाता है कि धर्म का वास्तविक अर्थ प्रेम और मानवता है। उनकी कथा में मंदिर और दरगाह दोनों का उल्लेख मिलता है जो यह दर्शाता है कि वे सभी धर्मों के लोगों के लिए समान रूप से पूजनीय हैं। झूलेलाल की पूजा जल तत्व के महत्व को दर्शाती है। आज के समय में जब जल संकट एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है उनका संदेश हमें जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा देता है। सिंधी समाज में गाए जाने वाले भजन (पंजड़ा), लोकनृत्य और पारंपरिक अनुष्ठान झूलेलाल की जीवंत विरासत हैं। ये परंपराएं नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ती हैं और संस्कृति को जीवित रखती हैं। भगवान झूलेलाल केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं बल्कि एक जीवन दर्शन हैं जहाँ प्रेम है, वहाँ ईश्वर है; जहाँ एकता है, वहीं सच्चा धर्म है। आज के आधुनिक युग में, जब समाज विभाजन और तनाव से जूझ रहा है, झूलेलाल का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। आइए हम सभी भगवान झूलेलाल की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाएं और प्रेम, शांति एवं एकता के मार्ग पर चलकर समाज को एक बेहतर दिशा दें।

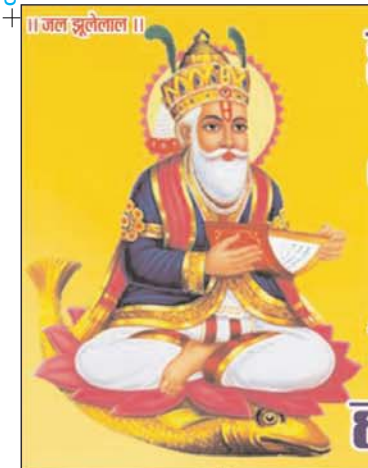

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com